“Our dream is to have India-made chip in every device in the world,” PM Modi said.

At SEMICON India 2024, PM Modi highlighted India's commitment of over ₹1.5 lakh crore in semiconductor investments, emphasizing the need for supply chain resilience and aiming for an Indian-made chip in every device globally.

SUMMARY

The Centre has set up a special reserve fund with an outlay of INR 1 Lakh Cr to drive innovation in the semiconductor and science & technology sectors, PM Modi said

While inaugurating the Semicon India 2024 event, PM Modi said that India is taking all necessary measures to become a semiconductor powerhouse

PM Modi's remarks came on the heels of reports that the government is considering expanding the scope of the India Semiconductor Mission to extend sops to to raw material suppliers, gas suppliers, and other vendors in the semiconductor ecosystem

The Centre has already approved five semiconductor plants under the India Semiconductor Mission, which are expected to bring in investments worth INR 1.52 Lakh Cr.

The union cabinet approved the proposal of Kaynes Semicon to set up a semiconductor unit in Gujarat with an investment of INR 3,300 Cr.

the Centre is also examining the proposal of Israel’s Tower Semiconductor to set up a chip fabrication facility in the country.

छात्रों को रोजगार के सुनहरे अवसर इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में

बिज़नेस स्टैंडर्ड

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना
डी.बी.टी. के माध्यम से 2.62 करोड़ किसानों को
₹74,376 करोड़ हस्तांतरित

होम | ताजा खबरें | ई-पेपर | अर्थव्यवस्था | बाजार | कंपनियां | चुनाव | लेख | आपका पैसा | भारत | मल्टीमीडिया | विविध | अन्य

> भारत > Semicon 2024: पीएम मोदी का देश को सेमीकंडक्टर पावरहाउस बनाने पर जोर, कहा- हमारा सपना है ...

ताजा खबरें | भारत

Semicon 2024: पीएम मोदी का देश को सेमीकंडक्टर पावरहाउस बनाने पर जोर, कहा- हमारा सपना है कि दुनिया के हर उपकरण में भारत में बनी चिप हो

PM Modi ने कहा, " आपूर्ति श्रृंखला का जुझारूपन बेहद महत्वपूर्ण है। भारत अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में इसे बनाने के लिए काम कर रहा है।"

Trending Topics

Stocks to watch Today | Stocks To Buy | Gold-Silver Price Today | Stock Market Today

pmindia.gov.in/hi/news_updates/इंडिया-सेमीकंडक्टर-मिशन/

मुख्य विषयवस्तु पर जाएं | A- | A | A+ | A | A

सूची

पीएमइंडिया

न्यूज अपडेट्स

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के लिए लंबी छलांग: कैबिनेट ने तीन और सेमीकंडक्टर इकाइयां लगाने को मंजूरी दी

29 Feb, 2024

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 'भारत में सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम केविकास 'के अंतर्गत तीन सेमीकंडक्टर इकाइयां लगाने को मंजूरी प्रदान की है।

https://www.pmindia.gov.in/hi/news_updates/%E0%A4%87%E0%A4%82%E0%A4%A1%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A4%BE-%E0%A4%B8%E0%A5%87%E0%A4%AE%E0%A5%80%E0%A4%95%E0%A4%82%E0%A4%A1%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A4%B0-%E0%A4%AE%E0%A4%BF%E0%A4%B6%E0%A4%A8/

जनसत्ता

ADVERTISEMENT

विज्ञापन

Powering Up: The Future of Smart Grid

Smart grids emerged in the 2000s, but how close are we to efficient energy management?

Mouser Electronics Learn more

Semiconductor in India: सेमीकंडक्टर का हब क्यों बनना चाहता है भारत? कितना बड़ा है मार्केट और अब तक क्या-क्या उठाए गए कदम

Semiconductor Manufacturing in India: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1.25 लाख करोड़ रुपये की तीन सेमीकंडक्टर परियोजनाओं का शिलान्यास किया है। इनका निर्माण गुजरात और असम में किया जाएगा।

ADVERTISEMENT

Google के दिखाए जा रहे विज्ञापन

यह विज्ञापन देखना बंद करें

यह विज्ञापन क्यों?

दैनिक भास्कर

मोदी बोले-6 साल में 60 लाख नौकरियां मिलेंगी: सेमीकॉन इंडिया का इनॉगरेशन किया; बारिश के बीच सड़क मार्ग से पहुंचे नोएडा

नोएडा 3 दिन पहले

https://dainik.bhaskar.com/i2hgBZidNMb

इंजीनियरिंग क्षेत्र में कंप्यूटर साइंस से ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स की रहेगी डिमांड

आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी, इमेज प्रोसेसिंग, रोबोटिक्स का क्रेज

इंदौर। नईदुनिया रिपोर्टर

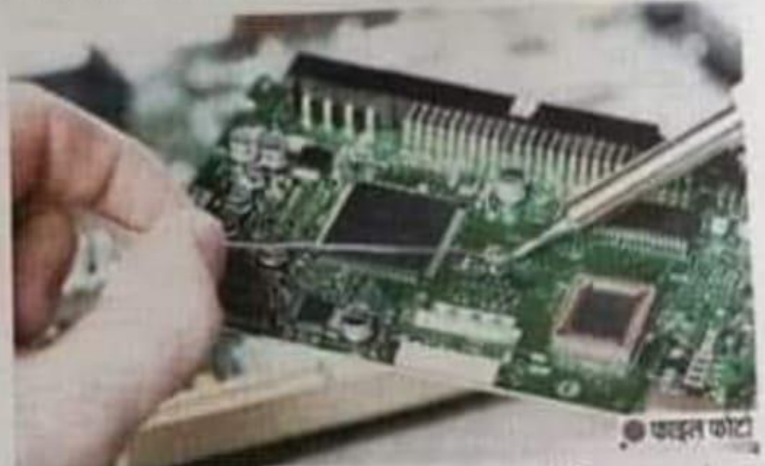

फाइल फोटो

कई सालों बाद इंजीनियरिंग क्षेत्र के स्कोप में बदलाव देखने को मिल रहा है। कंप्यूटर साइंस और आईटी ब्रांच अब तक स्टूडेंट्स की पहली पसंद रही है, लेकिन अगले चार से पांच साल बाद इसमें बदलाव होगा। विषय विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाला समय सेंसर बेस्ड रहेगा। हर क्षेत्र में ऑटोमेशन देखने को मिलेगा। सेंसर बेस्ड टेक्नोलॉजी इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांच के अंतर्गत आती है। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी, वर्चुअल रियलिटी, इमेज प्रोसेसिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग (आईओटी) और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्र आते हैं। इससे इस साल इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांच लेने वालों को अगले चार से पांच साल बाद कॅरियर के ज्यादा चांस मिलेंगे।

ऑटोमेशन के लिए मल्टी टेक्नोलॉजी की पड़ेगी जरूरत

सेंसर टेक्नोलॉजी का उपयोग बढ़ता जा रहा है। घर, कार, ऑफिस और मशीनरी में इस टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जा रहा है। ऑटोमेशन सिस्टम में भी सेंसर बेस्ड रोबोट काम करने लगे हैं। कॅरियर काउंसलर अतुल एन. भरत का कहना है कि कंप्यूटर साइंस के चलन में भले कमी नहीं आएगी, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांच वालों की कमी रह सकती है। कंप्यूटर साइंस और आईटी से पासआउट होने वालों की संख्या लाखों में है, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में काम करने वालों की लगातार कमी होती जा रही है। कॉलेज भी स्टूडेंट्स को समझा नहीं पा रहे हैं कि उनके लिए इस समय किस ब्रांच में प्रवेश लेना सही रहेगा। सेंसर, आईओटी और रोबोटिक्स आधारित सॉफ्टवेयर बनाने के लिए कंप्यूटर साइंस का स्कोप रहेगा, लेकिन ज्यादा डिमांड इलेक्ट्रॉनिक्स से संबंधित क्षेत्रों में रहेगी। ऑटोमेशन के क्षेत्र में एक साथ कई टेक्नोलॉजी की जरूरत रहेगी। ऐसे में स्टूडेंट्स को मल्टी स्किल पर काम करने की जरूरत है।

हॉस्पिटल आईओटी से जुड़ेंगे

एसजीएसआईटीएस के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन इंजीनियरिंग के सीनियर प्रो. डॉ. प्रशांत बंसोड़ का कहना है कि आने वाला समय इंटरनेट ऑफ थिंक का होगा। इसकी शुरुआत हो चुकी है। इसके तहत देशभर के हॉस्पिटल और इनके मरीजों का डाटा एक जगह रहेगा। इससे मरीज अगर दूसरे हॉस्पिटल में इलाज कराने जाता है तो उसके रिकॉर्ड का आईओटी टेक्नोलॉजी से एनालिसिस किया जा सकेगा। इससे डॉक्टर को बेहतर इलाज करने में मदद मिलेगी। डॉ. बंसोड़ का कहना है कि अगले चार से पांच साल बाद की बात करें तो कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन तीनों ब्रांच की एक साथ जरूरत पड़ेगी। खासकर स्मार्ट सिटी में हजारों ग्रेजुएट की जरूरत होगी, जो इस टेक्नोलॉजी को अच्छे से समझने के साथ ही सिस्टम का ऑटोमेशन कर सकते हों।

प्रोग्रामिंग अच्छी करने की जरूरत

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के आईएमएस के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट अधिकारी अवनीश व्यास का कहना है कि इस समय कंप्यूटर साइंस से पासआउट हजारों ग्रेजुएट हैं। इनमें से कई को प्रोग्रामिंग कमजोर होने से नौकरी नहीं मिल पा रही है। भविष्य में ऑटोमेशन का काम बढ़ने से कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट की संख्या बढ़ेगी। ऐसे में जरूरी है कि जो इस ब्रांच में इंजीनियरिंग कर चुके हैं वे अभी से अपनी प्रोग्रामिंग को अच्छा करें।

टेक्नोलॉजी से इस तरह के होंगे बदलाव

- गैस सिलेंडर कितने दिन बाद खाली हो जाएगा, इसकी जानकारी रियल टाइम मिल सकेगी।
- टंकी में कितना लीटर पानी बचा है और यह कितने दिन चलेगा यह भी पता लग सकेगा।
- गाड़ी का कौन सा पार्ट खराब है या इसकी कितनी उम्र बची है पता लग सकेगा।
- घर या ऑफिस में आग लगने पर अपने आप फायर ब्रिगेड को जानकारी पहुंच जाएगी।
- मोबाइल कॉल आने पर किसे क्या जवाब देना है पहले से फिट किया जा सकेगा।

1.24 लाख करोड़ रु. की परियोजनाएं

सेमीकंडक्टरः 5 साल में 10 लाख जॉब्स मिलेंगे

एजेंसी | नई दिल्ली

सेमीकंडक्टर दुनिया के सबसे उभरते सेक्टर्स में से एक है। अब यह भारत में भी तेजी से उभर रहा है। अनुमान है कि सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री अगले 5 साल में भारत में 10 लाख नौकरियां देगी। इसी साल 2024 में ही सेमीकंडक्टर इंडस्ट्री को 40 से 50 हजार कर्मचारियों की जरूरत होगी। कर्मचारी उपलब्ध कराने वाली कंपनी रैंडस्टैड का अनुमान है कि पिछले साल के मुकाबले इस साल इस सेक्टर में 25-30% की ग्रोथ होगी। दरअसल सरकार भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की कोशिश कर रही है। इसके लिए सरकार ने अब तक निजी कंपनियों के 1.24 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी भी दे दी है। इसमें टाटा ग्रुप भी है।

सेमीकंडक्टर सेक्टर में मिडिल लेवल कर्मचारियों के लिए सबसे ज्यादा मौके गुजरात, बेंगलुरु, तेलंगाना, तमिलनाडु और आसाम में होंगे। यहां सेल्स, फील्ड एप्लीकेशन इंजीनियर, इक्विपमेंट सर्विस इंजीनियर और पर्चेज मैनेजर्स की जरूरत होगी। इसके अलावा सेमीकंडक्टर चिप डिजाइन, फैब्रिकेशन, असेंबली, टेस्टिंग, मार्किंग व पैकेजिंग क्षेत्र में भी नौकरियों के मौके होंगे।

15-20 लाख रुपए सालाना से शुरू होगी सैलरी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "भारत में सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास" के अंतर्गत तीन सेमीकंडक्टर इकाइयां लगाने को मंजूरी प्रदान की है। अगले 100 दिन के भीतर तीनों इकाइयों का निर्माण शुरू हो जाएगा।

भारत में सेमीकंडक्टर्स और डिस्प्ले मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम के **विकास का कार्यक्रम 21.12.2021** को कुल 76,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ अधिसूचित किया गया था। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जून, 2023 में गुजरात के साणंद में सेमीकंडक्टर इकाई लगाने के लिए माइक्रोन के प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की थी। इस इकाई का निर्माण तीव्र गति से चल रहा है और इकाई के पास एक मजबूत सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम उभर रहा है।

स्वीकृत की गई तीन सेमीकंडक्टर इकाइयां हैं:

1. **50,000 डब्ल्यूएफएसएम क्षमता वाली सेमीकंडक्टर फैब:**

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड ("टीईपीएल") ताइवान की पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्प (पीएसएमसी) के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर फैब स्थापित करेगी।

निवेश: इस फैब का निर्माण गुजरात के धोलेरा में किया जाएगा। इस फैब में 91,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

प्रौद्योगिकी साझेदार: पीएसएमसी लॉजिक और मेमोरी फाउंड्री सेगमेंट में अपनी विशेषज्ञता के लिए प्रसिद्ध है। ताइवान में पीएसएमसी की 6 सेमीकंडक्टर फाउंड्री हैं।
क्षमता: प्रति माह 50,000 वेफर स्टार्ट (डब्ल्यूएसपीएम)

कवर किए गए खंड:
• 28 एनएम टेकनोलॉजी सहित हाई परफॉर्मेंस कंप्यूट चिप्स
• इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), दूरसंचार, रक्षा, ऑटोमोटिव, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, डिस्प्ले, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स आदि के लिए पावर मैनेजमेंट चिप्स। पावर मैनेजमेंट चिप्स, हाई वोल्टेज, हाई करंट एप्लीकेशन्स हैं।

2. **असम में सेमीकंडक्टर एटीएमपी इकाई:**

असम के मोरीगांव में टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एंड टेस्ट प्राइवेट लिमिटेड ("टीएसएटी") एक सेमीकंडक्टर इकाई स्थापित करेगी।

निवेश: इस इकाई की स्थापना 27,000 करोड़ रुपये के निवेश से की जाएगी।

प्रौद्योगिकी: टीएसएटी द्वारा सेमीकंडक्टर फ्लिप चिप और आईएसआईपी (पैकेज में एकीकृत प्रणाली) प्रौद्योगिकियों सहित स्वदेशी उन्नत सेमीकंडक्टर पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों का विकास किया जा रहा है।

क्षमता: प्रतिदिन 48 मिलियन

कवर किए गए खंड: ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रिक वाहन, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, दूरसंचार, मोबाइल फोन, आदि।

3. विशिष्ट चिप्स के लिए सेमीकंडक्टर एटीएमपी इकाई:

गुजरात के साणंद में सीजी पावर द्वारा रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन, जापान और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, थाईलैंड के साथ साझेदारी में एक सेमीकंडक्टर इकाई की स्थापना की जाएगी।

निवेश: इस इकाई की स्थापना 7,600 करोड़ रुपये के निवेश से की जाएगी।

प्रौद्योगिकी साझेदार: रेनेसास एक प्रमुख सेमीकंडक्टर कंपनी है जो विशिष्ट चिप्स पर केंद्रित है। यह 12 सेमीकंडक्टर सुविधाओं का संचालन करती है और माइक्रोकंट्रोलर, एनालॉग, पावर और सिस्टम ऑन चिप ('एसओसी)' उत्पादों की दृष्टि से महत्वपूर्ण है।

कवर किए गए खंड: सीजी पावर सेमीकंडक्टर इकाई उपभोक्ता, औद्योगिक, ऑटोमोटिव और पावर एप्लीकेशन्स के लिए चिप्स का निर्माण करेगी।

क्षमता: प्रतिदिन 15 मिलियन

इन इकाइयों का सामरिक महत्व:

इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन ने बहुत ही कम समय में चार बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। इन इकाइयों से भारत में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम स्थापित हो जायेगा।• भारत के पास पहले से ही चिप डिजाइन में गहन क्षमताएं मौजूद हैं। इन इकाइयों के साथ, हमारा देश चिप विनिर्माण (या चिप फेब्रिकेशन) में क्षमता विकसित कर लेगा। आज की घोषणा के साथ ही भारत में उन्नत पैकेजिंग प्रौद्योगिकियों को स्वदेशी रूप से विकसित किया जाएगा।

रोजगार की संभावना: ये इकाइयां 20 हजार उन्नत प्रौद्योगिकी कार्यों में प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 60 हजार अप्रत्यक्ष रोजगारों का सृजन करेंगी।

• ये इकाइयां डाउनस्ट्रीम ऑटोमोटिव, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, दूरसंचार विनिर्माण, औद्योगिक विनिर्माण और अन्य सेमीकंडक्टर उपभोक्ता उद्योगों में रोजगार सृजन में तेजी लाएंगी।

CABINET DECISION 29TH FEBRUARY, 2024

Giant leap for India Semiconductor Mission

Cabinet approves three more semiconductor units

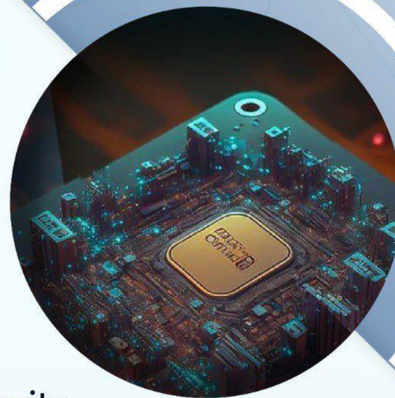

- **Semiconductor Fab with 50,000 wfsm capacity in Dholera, Gujarat**
  - Tata Electronics Private Limited will set up a semiconductor fab in partnership with Powerchip Semiconductor Manufacturing Corp, Taiwan
  - Investment: Rs.91,000 crore
  - Capacity: 50,000 wafer starts per month
  - Segments covered: electric vehicles, telecom, defence, automotive, consumer electronics, display, power electronics, etc

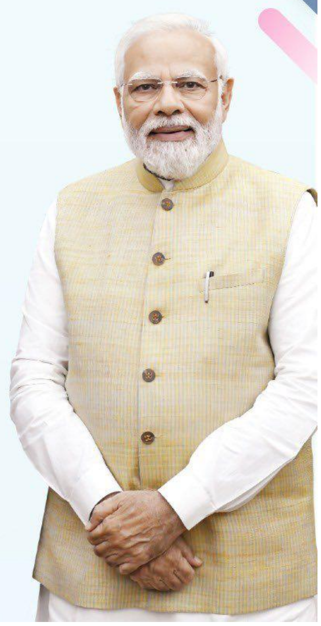

CABINET DECISION 29TH FEBRUARY, 2024

Giant leap for India Semiconductor Mission

Cabinet approves three more semiconductor units

- **Semiconductor ATMP unit in Assam**
  - Tata Semiconductor Assembly and Test Pvt Ltd will set up a semiconductor unit in Morigaon, Assam
  - Investment: Rs.27,000 crore
  - Technology: TSAT semiconductor is developing indigenous advanced semiconductor packaging technologies including flip chip and ISIP (integrated system in package) technologies
  - Capacity: 48 million per day
  - Segments covered: Automotive, electric vehicles, consumer electronics, telecom, mobile phones, etc

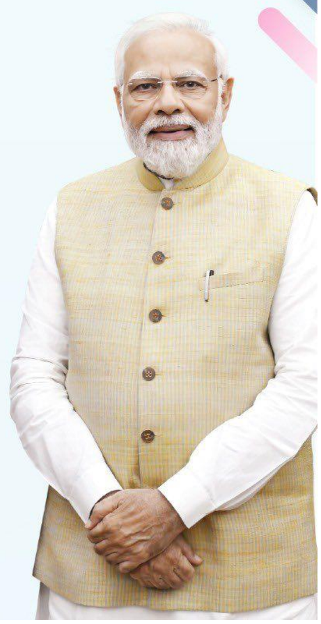

CABINET DECISION 29TH FEBRUARY, 2024

Giant leap for India Semiconductor Mission

Cabinet approves three more semiconductor units

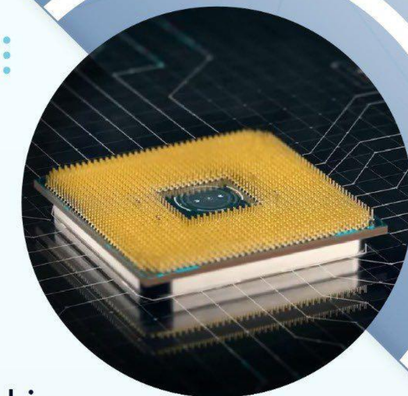

- **Semiconductor ATMP unit for specialized chips**

  - CG Power, in partnership with Renesas Electronics Corporation, Japan and Stars Microelectronics, Thailand will set up a semiconductor unit in Sanand, Gujarat
  - Investment: Rs.7,600 crore
  - Capacity: 15 million per day
  - Segment covered: consumer, industrial, automotive and power applications

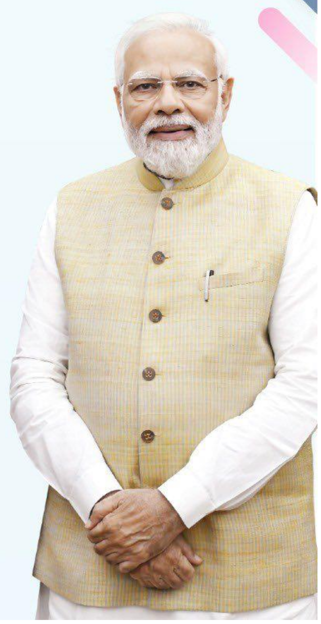

Semiconductor in India: भारत सेमीकंडक्टर की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार ग्रेटर नोएडा के एक्सपो मार्ट में सेमीकॉन इंडिया 2024 का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में दुनियाभर की चिप निर्माता कंपनियां शामिल हुई हैं। ताइवान और चीन को खासतौर पर शामिल किया गया है। सेमीकंडक्टर के लिए भारत अभी तक दूसरे देशों पर निर्भर था। हर साल भारत अरबों रुपये सेमीकंडक्टर के आयात पर खर्च करता है। भारत के लिए सेमीकंडक्टर इतना जरूर क्यों है और यहां प्लांट लगाने से देश को क्या फायदा होगा, इसे विस्तार से समझते हैं।

सेमीकंडक्टर क्या होते हैं?

सेमीकंडक्टर को सिलिकॉन चिप (Silicon Chip) के नाम से भी जाना जाता है। यह एक किसी भी इलेक्ट्रोनिक उत्पादक का महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। इसके बिना कोई भी इलेक्ट्रोनिक उत्पाद नहीं बनाया जा सकता है। एलईडी बल्ब से लेकर मिसाइल और कार से लेकर मोबाइल और लैपटॉप में इसका इस्तेमाल किया जाता है। यह चिप की इलेक्ट्रोनिक आइटम की मेमोरी को ऑपरेट करने का काम करती है। सेमी कंडक्टर का इस्तेमाल स्मार्ट वॉच, मोबाइल, टीवी, लैपटॉप, ड्रोन, एविएशन सेक्टर से लेकर ऑटोमोबाइल सेक्टर में होता है।

कौन है दुनिया में सेमीकंडक्टर का सबसे बड़ा सप्लायर?

सेमी कंडक्टर का दुनिया में सबसे बड़ा सप्लायर ताइवान, चीन और अमेरिका हैं। साउथ कोरिया भी इस दिशा में तेजी से आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा है। इनमें प्रोसेसर चिप और सेमीकंडक्टर का सबसे बड़ा निर्यातक चीन है। कोरोना माहमारी के दौरान चीन में जब चिप का प्रोडक्शन रुका तो भारत समेत पूरी दुनिया पर इसका असर देखने को मिला। अमेरिका ने हुआवे जैसी कई चीनी कंपनियों के लिए अमेरिकी सेमीकंडक्टर की सप्लाई को रोक दिया था।

सेमीकंडक्टर बनाना क्यों इतना मुश्किल है?

सेमीकंडक्टर बनाना एक जटिल प्रक्रिया है। एक छोटे से सेमीकंडक्टर या चिप को बनाने की प्रक्रिया में 400-500 चरण होते हैं। इनमें से एक भी चरण अगर गलत हो गया तो करोड़ों रुपये का नुकसान हो सकता है। इसको बनाने के लिए जो जिन धातु और अन्य चीजों की जरूरत होती है वह कुछ ही देशों के पास है। वहीं इसकी डिजाइन की तकनीक भी चुनिंदा देशों के पास है। सेमीकंडक्टर माइक्रोचिप्स बनाने में इस्तेमाल होने वाली धातु पैलेडियम का सबसे बड़ा सप्लायर रुस है। भारत की बात करें तो दुनियाभर की सभी बड़ी आईटी और चिप निर्माता कंपनियों में भारतीय इंजीनियर काम करते हैं। यह इंजीनियर इन कंपनियों के लिए चिप डिजाइन करते हैं।

सेमी कंडक्टर बनाने के लिए एक चुनौती यह भी है कि कई कंपनियों ने अपने-अपने तरीके से कई तकनीकों का पेटेंट कराया है। यह कंपनियों अन्य कंपनियों से चिप का निर्माण कराती हैं। चिप निर्माण सेक्टर में तीन तरह की कंपनियां होती हैं। इनमें से कुछ कंपनियां चिप तैयार करती है। कुछ चिप बनाने के लिए जरूरी मशीन और सामान मुहैया कराती हैं और कुछ कंपनियां रिसर्च और डिजाइन का काम करती हैं। जिन कंपनियों में चिप का निर्माण होता है उन्हें फैब्स कहा जाता है। भारत में फिलहाल रिसर्च और डिजाइन से जुड़ी कंपनियां पहले से मौजूद हैं। भारत उपादन से जुड़ी कंपनियों पर अब जोर दे रहा है। पूरी चिप सप्लाई चेन के रेवेन्यू में चिप डिजाइनिंग, असेंबलिंग, टेस्टिंग, पैकेजिंग और मार्किंग की 50 फीसदी हिस्सेदारी है। ऐसे में भारत का फोकस इस क्षेत्र पर है।

कितना बड़ा है सेमीकंडक्टर का कारोबार?

भारत की बात करें तो सेमीकंडक्टर की मांग लगभग 24 बिलियन डॉलर है। 2025 तक यह मांग बढ़कर 100 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगी। 2030 तक ये आंकड़ा 110 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स गैजेट्स के लिए भारत फिलहाल पूरी तरह आयात पर ही निर्भर है। देश में पेट्रोल और गोल्ड के बाद सबसे ज़्यादा आयात इलेक्ट्रॉनिक्स का होता है। इनमें भी करीब 27 फीसदी आयात सिर्फ सेमीकंडक्टर का ही होता है। दुनियाभर के लिए चिप का कारोबार कितना बड़ा है इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है 2025 तक भारत अपने इस मिशन पर 10 बिलियन डॉलर खर्च कर रहा है। वहीं अमेरिकी अगले दो साल में 208 बिलियन डॉलर और चीन इस पर करीब 1.4 ट्रिलियन डॉलर का निवेश करेगा।

सेमीकंडक्टर का हब बनने के लिए भारत ने अब तक क्या-क्या किया?

भारत में कोरोना महामारी के दौरान ऑटो मोबाइल सेक्टर में सेमी कंडक्टर की कमी के कारण उत्पादन धीमा होने के बाद ही इस दिशा में काम शुरू कर दिया था। इसके बाद भारत और अमेरिका ने इंडिया-यूएस 5th कमर्शियल डायलॉग 2023 के दौरान सेमीकंडक्टर सप्लाई चैन स्थापित करने के लिए एक एमओयू पर साइन किया। भारत में सेमी कंडक्टर के निर्माण के लिए दुनियाभर की चिप निर्माता कंपनियों के बात बातचीत शुरू की गई। इन कंपनियों को भारत में निवेश को आकर्षित करने के लिए इंसेटिंव भी दिया जा रहा है। भारत ने फिलहाल 10 अरब डॉलर का इंसेंटिव देने का ऐलान किया है।

गुजरात के साणंद में सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड (CG Power) अपना सेमीकंडक्टर प्लांट खोलेगी। इसमें 2024 के अंत तक सेमीकंडक्टर का निर्माण शुरू हो जाएगा। इस प्रोजेक्ट पर 7500 करोड़ खर्च किए गए हैं। वहीं टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड (TEPL) धोरेला सेमीकंडक्टर का फैब्रिकेशन प्लांट खोलेगी। दिसंबर 2026 तक शुरू होने वाले इस प्रोजेक्ट पर 91 हजार करोड़ खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा एक प्लांट असम के मोरीगांव में जो प्लांट स्थापित किया जा रहा है जिसकी लागत 27,000 करोड़ है।

अन्य खबरे इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग की -

1. https://www.pmindia.gov.in/hi/news_updates/%E0%A4%87%E0%A4%82%E0%A4%A1%E0%A4%BF%E0%A4%AF%E0%A4%BE-%E0%A4%B8%E0%A5%87%E0%A4%AE%E0%A5%80%E0%A4%95%E0%A4%82%E0%A4%A1%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%9F%E0%A4%B0-%E0%A4%AE%E0%A4%BF%E0%A4%B6%E0%A4%A8/

2. https://hindi.business-standard.com/latest-news/semicon-2024-india-will-become-a-superpower-in-semiconductor-production-pm-modi-id-369943

3. https://www.jansatta.com/national/semiconductor-manufacturing-in-india-why-does-india-want-to-become-a-semiconductor-hub-know-all-details/3255447/

4. https://www.bhaskar.com/local/uttar-pradesh/gautambudh-nagar/news/semicon-india-2024-live-updates-pm-modi-in-noida-expo-center-133625266.html

5. https://www.aajtak.in/business/news/story/semicon-india-2024-pm-modi-plan-to-india-become-semiconductor-production-hub-industry-leaders-spotlight-growth-in-chip-industry-tuta-2039176-2024-09-12

अन्य खबरे

Massive Tech Layoffs (निकालना · हटाना · उतारना · निकाल देना · हटा देना)at Apple, Dell, IBM are A Wake-Up Call For IT Professionals: Why Upskilling Is The Key To Survival

NEWS |Trisha Tewari | TOI Education | Sep 11, 2024, 11:17 IST

खुद PM मोदी मोर्चे पर... भारत को बनाना है सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज का बड़ा प्लेयर, ये है रणनीति सरकार को पता है कि अगर भारत को कुछ बड़ा करना है तो इस से सेमीकंडक्टर इंडस्ट्रीज पर पीएम मोदी ने फोकस बढ़ा दिया है. सबकुछ ठीक रहा था, आने वाले दिनों में भारत इस फील्ड में बड़ा खिलाड़ी बनकर उभरेगा. भारत में से...

नई दिल्ली, 12 सितंबर 2024,(अपडेटेड 12 सितंबर 2024, 3:00 PM IST)
https://www.aajtak.in/business/news/story/semicon-india-2024-pm-modi-plan-to-india-become-semiconductor-production-hub-industry-leaders-spotlight-growth-in-chip-industry-tuta-2039176-2024-09-12

Join / Take Admission in Electronics Course

FOR ADMISSION ENQUIRY
CONTACT 07999810576
Visit our website www.satiengg.in
@satiengg.in
@satiengg
sati.vidisha
B.Tech in Electronics & Instrumentation Engineering
Join the Future of Innovation:
Enroll in EI Engineering and Power the Next Tech Revolution!
INSIGHTS
Semiconductor boom: Rs 1.26 lakh crore investment set to create 80,000 jobs in Indi
Micron to set up $2.75 billi
Semiconductor unit in Sana
5,000 new direct and 15,000 community jobs in few
Modi pitches India as semiconductor hub
STUDY AT BEST
AUTONOMOUS
ENGINEERING INSTITUTE
JOB
in Electronics Instrumentation
Automation Engineer
Instrumentation Engineer
Control Engineer
Process Analyst
Biomedical Engineer
Software Development
Public Sector
Samrat Ashok Technological Institute, Vidisha
(A grant-in-aid Autonomous Engineering College, Estd. in 1960)